पूर्वांचल एक्सप्रेसवे लाखों-करोड़ों लोगों की जिंदगी बदलने का कारण बनेगा। पूर्वांचल के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए यह लाइफलाइन साबित होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि यहां के लिए 21 उद्योग चिह्नित किए जा चुके हैं। एक्सप्रेस वे से जुड़े जिलों में न सिर्फ नए उद्योग लगेंगे बल्कि यहां की सब्जियां, दुग्ध उत्पाद मंडियों में जा सकेंगे।

सुलतानपुर में मंगलवार को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर जुटी भारी भीड़ का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया।

यूपी के विकास का एक्सप्रेसवे: मोदी

सुलतानपुर | विशेष संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए यूपी की जनता को बड़ी सौगात दी। उन्होंने इसे यूपी के विकास, निर्यात, बेहतर आर्थिकव्यवस्था और आधुनिक सेवा सुविधाओं का एक्सप्रेस वे बताया।

मोदी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव का नाम लिए बिना कहा कि जब मैं प्रधानमंत्रित्व काल तक यूपी में उनकी सरकार ने मेरा साथ नहीं दिया। सार्वजनिक रूप से मेरे बारे में कड़े शब्द बोले भी उनको वोट बैंक के नाराज होने का डर था। मैं एक्सपी के रूप में आता तो हमारे आड़े पर स्थापन करके [illegible] उनको शर्म आती थी [illegible] विधायक देने के लिए [illegible] था ही नहीं। पूर्वांचल [illegible] सुलतानपुर को उद्घाटन [illegible] प्रधानमंत्री ने अपनी- [illegible] बोली में पीएम्पिक और [illegible] के साथ अपने भाषण [illegible] से कार्यक्रम स्थल [illegible] हुआ।

सपा, कांग्रेस पर साधा निशाना

मोदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के डबल लाभ मिलते हैं जो लोग आज खड़े रहे हैं। उनका विभिन्नता दोष बहुत स्वाभाविक है। जो अपने समय में अवसर रहे जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सफलता नहीं देख पा रहे हैं। 2014 में मैंने बहुत सारे प्रयास यूपी के लिए शुरू कराया। मुझे मालूम था कि उन सरकारों ने सिर्फ अपने परिवारों का हित साधा। यूपी ने ऐसा करने वालों को 2017 में हटाया। पहले यूपी में विकास नहीं होता था जहां सीएम का घर था परिवार था।

भोजपुरी से भाषण की शुरुआत की

मोदी ने भोजपुरी में भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा, जैसे धरती पर हनुमान जी, कालनेमि के वध किए गए, के धरती के लोगन के हम पांव लागित हैं। 1857 के लड़ाई में हिया के लोग अंग्रेजन का लड़ी के दूर कइ देवया देहे रहें। वह धरती के धन-धान्य मा महंगाई लगाम के लुहाबु बा। तोहरेहुर के सुद, भाल के भुलाए नाहर हैं? आज वह पावन धरती का, एक्सप्रेसवे के जरिए मिला था। मोदी की जुबान से भोजपुरी के शब्द निकलते ही वहां मौजूद भीड़ ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में राजस्थान आर्मी बैंड पर्टोल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मध्यप्रदेश आगमन स्वतंत्रदेव सिंह।

संबोधन

41 मिनट तक प्रधानमंत्री ने लोगों को संबोधित किया

05 बार प्रधानमंत्री ने सीएम योगी का नाम लिया

प्रधानमंत्री की दो टूक

- जहां अपनी गाड़ी पहुंचती है, अपने हाईवे पहुंचते हैं, वहां विकास की गंगा बह जाती है।
- 300 किमी का बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन, औरैया, इटावा शहरों को जोड़ेगा।
- 90 किमी लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे से गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर और आजमगढ़ जुड़ेंगे।
- 600 किमी लम्बा गंगा एक्सप्रेस-वे मेरठ, हापुड़, बुलन्दशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, प्रयागराज और प्रयागराज को जोड़ेगा। ये सभी शहर छोटे हैं लेकिन इन शहरों में आधुनिक कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दी गई।
- अनमनगत किसी भी देश के लिए ठीक नहीं है। पूर्वी भारत, नॉर्थ ईस्ट के राज्यों को विकास की संभावना होने के बावजूद देश में हो रहे विकास का उतना लाभ नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था।
- जिसकी जरूरी देश की सुरक्षा भी है। इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थिति में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे देश की वायुसेना के लिए एक और तकत बन गया है।
- पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से उत्तर प्रदेश को पूर्वी समुद्री तट और पश्चिमी समुद्री तट से जोड़ने के पीछे यही सोच है।

उत्तर प्रदेश में रोजगार के नए रास्ते खुले

मोदी ने कहा कि यूपी के शहरों में आईटीआई, ट्रेनर ट्रेनिंग सेंटर और टेक्निकल इंस्टीट्यूट, मेडिकल इंस्टीट्यूट, रोपवे सम्बन्धी भी स्थापित किए जाएंगे। यूपी में बन रहा डिफेन्स कॉरिडोर भी यहां रोजगार के नए अवसर लाने वाला है। यूपी को पूर्वी व पश्चिमी समुद्री तट से जोड़ने के साथ गाड़ियों के लिए बनने इस विशेष रास्ते से किसानों की उपज और पैदावारों में कम समय दुनिया तक पहुंच जाएगा।

परिवारवादियों के कारण उत्तर प्रदेश बर्बाद हुआ

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में हमने ऐसी सरकारों का देखा है जिन्होंने कनेक्टिविटी की दिशा बिना किसी औद्योगीकरण के बड़े-बड़े सपने दिखाए। परिणाम हुआ कि सुविधाओं के अभाव में यहां लगे कारखानों में लगने लगा गया। दिल्ली-लखनऊ, दोनों जगह परिवारवादियों का दबदबा रहा। यही वर्चस्ववादियों यूपी को बर्बाद करती रही।

अच्छी कनेक्टिविटी का लाभ लोगों को मिलेगा

मोदी ने कहा कि निर्माण के दौरान भी इसने हजारों साथियों को रोजगार दिया और अब ये लाखों नए रोजगार के निर्माण का माध्यम बनेगा। पूरब के लोगों के लिए लखनऊ पहुंचना महाभारत जीतने जैसा होता था। आज जिला परिषद का सम्मान है, उन्नती ही पूर्वांचल भी प्रारम्भित हो रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे यूपी की इस खाई को पाट रहा है।

लोकार्पण

सुलतानपुर में सवा दो घंटे रहे प्रधानमंत्री मोदी

- 12:50 दोपहर सीएम योगी, राज्यपाल स्वतंत्रदेव सिंह, सांसद मेनका गांधी मंच पर पहुंचे।
- 01:22 दोपहर प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से हवाई पट्टी पर उतरे।
- 01:30 दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया।
- 01:36 दोपहर सीएम अन्य मेहमानों के साथ मंच पर दोबारा पहुंचे।
- 01:39 मोदी भी प[illegible] पहुंच गए।
- 01:40 अतिथियों [illegible] संबोधन।
- 01:41 दोपहर सीएम ने शाल पहनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया।
- 01:42 दोपहर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाषण देना शुरू किया।
- 02:00 दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण शुरू हुआ। मोदी ने भरे लगाए।
- 03:00 अपराह्न पुष्पक और मालवाहक विमानों का प्रदर्शन शुरू हुआ।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन के मौके पर सीएम के विमान से एक्सप्रेस वे पर उतरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

यूपी सामर्थ्यवान, संकल्पों की सिद्धि का एक्सप्रेसवे

सुलतानपुर | विशेष संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य पर भरोसा जताते हुए कहा कि तीन-चार साल पहले जहां बिजली जमीन भी नहीं थी अब आधुनिक एक्सप्रेसवे शुरू रहा है।

तीन साल पहले जब पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया था तो सोचा नहीं था कि एक दिन उसी एक्सप्रेस वे पर विमान से मैं खुद उतरूंगा। उन्होंने कहा कि यूपी में जिस तरह से लंबे समय तक सरकारें चलीं, उन्होंने यूपी के संपूर्ण विकास पर प्रहार ही नहीं किया। यूपी का ये क्षेत्र तो मालिकवाद के हवाले कर दिया गया था। आज यही क्षेत्र विकास का एक नया अध्याय लिख रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर किसानों की मार्केटिंग उन लोगों के लिए भी है जिन्होंने देश में डिफेन्स इंफ्रास्ट्रक्चर को दशकों तक नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि इस पर 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा भारी खर्च किए हों, लेकिन भविष्य में ये एक्सप्रेसवे लाखों-करोड़ों के उद्योगों को यहां लाने का माध्यम बनेगा। प्रधानमंत्री ने बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस वे, गंगा एक्सप्रेस वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का भी जिक्र करते हुए कहा कि ये बड़े मेट्रो शहर नहीं हैं। इस तरह का काम यूपी में आजादी के बाद पहली बार हो रहा है। विकास के लिए यूपी के कोने-कोने को जोड़ना जरूरी है। योगी की सरकार बिना भेदभाव, परिवारवाद, जातिवाद व बिना क्षेत्रवाद के काम कर रही है।

एक्सप्रेसवे के आसपास जल्द नए उद्योग लगने शुरू होंगे

सीएम ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के इंटीरियर बहुत जल्द नए उद्योग लगने शुरू हो जाएंगे। इसके लिए 21 जगहों को चिह्नित भी किया जा चुका है। आने वाले दिनों में, इन एक्सप्रेसवे के किनारे जो शहर बसे हैं इन शहरों में फूड प्रोसेसिंग, दूध से जुड़े उत्पाद, कोल्ड स्टोरेज, भंडारण, इनसे जुड़ी गतिविधियां तेजी से बढ़ने वाली हैं। फल-सब्जी, अनाज, पशुपालन और खेती से जुड़े हुए उत्पाद हों या फिर चमड़े, हस्तिशिल्पकला जुड़े उद्योग नए आयामों के केंद्र होंगे।

'एक्सप्रेस-वे' पर दौड़ती रही यूपी की सियासत

चुनावी असर

राज्य मुख्यालय | अजित सहरे

एक्सप्रेस-वे के बहाने यूपी की सियासत भी खूब दौड़ रही है। यह चुनावी मुद्दा तो बनता ही है, साथ ही सियासी दलों के लिए एक दूसरे को घेरने का मौका भी इसके जरिए खूब मिलता है। योगी सरकार ने मंगलवार को भूमिपूजन से अब तक सबसे बड़े पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की सौगात जनता को सौंपी।

समाजवादी पार्टी इसे एक्सप्रेस-वे को लेकर भाजपा को घेरने में जुटी है तो यूपी में पहले यमुना एक्सप्रेस-वे के साथ ही सियासत को गाड़ी भी दौड़ने शुरू हो गई थी। यमुना एक्सप्रेस-वे मायावती के कार्यकाल में बनना शुरू हुआ था। आगरा को नोएडा से जोड़ने वाले इस एक्सप्रेस-वे के साथ सियासत भी बढ़ती गई। मायावती को अपने कार्यकाल में इसके लोकार्पण का मौका नहीं मिल पाया। उद्घाटन का मौका तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को मिला। अखिलेश यादव ने निर्माण कंपनी को लेकर तंज भी तत्कालीन बसपा सरकार पर किया था।

खींचतान

- यमुना एक्सप्रेस-वे से शुरू हुई थी राजनीति
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तक सियासत की दौड़ जारी

22,497 करोड़ लागत और 341 किमी लंबाई

लखनऊ | विशेष संवाददाता

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के साथ ही उत्तर प्रदेश के विकास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। 22 हजार 497 करोड़ की लागत से बना यह एक्सप्रेसवे 341 किलोमीटर लंबा है और छह लेन का है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे गाजीपुर से शुरू होकर लखनऊ तक का सफर केवल चार से साढ़े चार घंटे में पूरा कर देगा।

- 341 किलोमीटर लंबा व छह लेन का है एक्सप्रेसवे

इसके बाद लखनऊ से आगरा का सफर आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के जरिए पूरा होगा। यहीं से यमुना एक्सप्रेस पर चलकर सीधे नोएडा दिल्ली तक पहुंचा जा सकेगा। एक्सेस कंट्रोल इस एक्सप्रेसवे पर सौ किमी की स्पीड पर वाहन फर्राटा भरते हैं। इस एक्सप्रेस वे से राज्य ने कई उपलब्धियां भी जुड़ ली हैं।

संकल्प

- उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे वाला राज्य बना। अब तीन नहीं एक्सप्रेसवे यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे व पूर्वांचल एक्सप्रेसवे यूपी में ही नहीं हैं।
- निकट भविष्य में तीन एक्सप्रेस बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे व गंगा लिंक एक्सप्रेसवे की सौगात यूपी को मिलेगी।
- सबसे बड़ा गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजना 2024 तक पूरी किए जाने की तैयारी है।
- देश का सबसे लंबा माने जाने वाला गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक बनने जा रहा है। 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेस का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने करेंगे।
- गंगा एक्सप्रेसवे पर गाजीपुर में इमरजेंसी एयरस्ट्रिप पर भी लड़ाकू विमान टेक ऑफ व लैंड कर सकेंगे।

ये भी जानिए

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के निर्माण में लगी 10.74 करोड़ घन मीटर मिट्टी और एक करोड़ घन मी. कंकरीट

- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पूर्वांचल होने की स्थिति में पानी की उपलब्ध देने व विकिरणमय तक पहुंचने के लिए कुल 16 एक्वाडक्ट। कार्बोन फुटप्रिंट में 02-02 की कुशिश
- निर्माण के दौरान छह लाख मानव दिवस का रोजगार सृजित
- सभी इन्टरसेक्शन, एक्सीडेन्ट, टोल प्लाजा, लघु पुल व अण्डरपास पर विद्युत संयोजन व मोटर के द्वारा प्रकाश व्यवस्था
- दोनों किनारों पर इन्टिग्रेटेड सब कराने के लिए सरकार की ओर से पुलिस को अधिकृत किया गया
- परियोजना के आस-पास के गांव के निवासियों के आवागमन के लिए 462 किमी लंबाई तक
- एक्सप्रेसवे के निर्माण में 10.74 करोड़ घन मी. मिट्टी व एक करोड़ घन मी. कंकरीट इस्तेमाल हुआ।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भी बखेड़ा

अखिलेश सरकार ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे बनवाया था। सरकार का कार्यकाल पूरा होते-होते आगरा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन कर दिया गया। अब योगी सरकार आई तो उसने एक्सप्रेसवे के निर्माण की गुणवत्ता जांच कराई। सात दो कई अधूरे काम भी पूरे कराए। इसमें लगभग एक साल लग गया तब जाकर आगरा एक्सप्रेसवे पूर्णतया से संचालित हो सका। इसी तरह से नया सरकार में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की सर्वाधिक कमी। वर्तमान सरकार ने तत्कालीन सपा सरकार पर यह आरोप लगाया कि अपना-अपना अधिक में कार्यनहीं की ज्यादा रेट पर काम दिया गया। इससे लागत काफी बढ़ गई। लोकार्पण के बाद अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण में इंजिनियर सेवा कार्पोरेशन के कामकाज के उल्लंघन और गुणवत्ता से समझौते का आरोप लगाया है।

उद्योग-कारोबार का बनेगा बड़ा जरिया

तस्वीर बदली: देश में एक्सप्रेसवे का हब बना उत्तर प्रदेश

लखनऊ | विशेष संवाददाता

एक्सप्रेस वे का हब बन रहे उत्तर प्रदेश में विकास व अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर बदलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंगलवार को लोकार्पित पूर्वांचल एक्सप्रेस वे यूपी का अब तक सबसे बड़ा एक्सप्रेस वे है।

यह न केवल पश्चिमी यूपी को पूर्वांचल के सफर को आसान व जल्द पूरा करने की दिशा में एक बड़ी कड़ी है, बल्कि उद्योग, कारोबार व मंडियों का बड़ा जरिया बनने जा रहा है। बारबों से घटाटाली, गरीबी व पिछड़ेपन का शिकार उत्तर प्रदेश अब लंबी छलांग लगाने का तैयार है। विकास के बड़े प्रोजेक्ट उद्योग, व्यापार, कारोबार बढ़ाने जा रहे हैं। इससे सैद्धांतिक गतिविधियां बढ़ेंगी। सबसे बड़ी बात है कि रोजगार के लाखों मौके युवा बेरोजगारों के सामने आने वाले हैं। युवाओं को रोजगार के लिए दिल्ली, नोएडा और बेंगलुरु जाना नहीं पड़ेगा। उन्हें यहीं रोजगार मिलेगा।

बिहार से नोएडा तक जुड़ेगा एक्सप्रेस-वे

यह एक्सप्रेस वे आने वाले सालों में इस इलाके की विकास की रीढ़ बनेगा। वैसे, इसे इस तरह समझिए। यूपी सरकार की योजना इसे गाजीपुर से बाहार बलिया तक जोड़ने की है। इसके लिए बलिया लिंक एक्सप्रेसवे अगले साल बनने जा रहा है। बलिया बिहार सीमा से जुड़ा है। इस तरह बिहार से आने वाले लोग नोएडा तक एक्सप्रेसवे के जरिए ही यात्रा पूरी करेंगे। इस तरह बलिया लिंक, पूर्वांचल, आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे व यमुना एक्सप्रेस वे यह चार एक्सप्रेसवे विकास के वाहक बन रहे हैं।

गाजीपुर से नोएडा केवल 10 घंटे में पहुंचेंगे

यह अब आपकी यात्रा को बिना बाधा तेज रफ्तार के गंतव्य तक पहुंचाने के लिए तैयार है। अब यूपी का पूर्वांचल का सुदूर का गाजीपुर गोरिंग इस एक्सप्रेस वे के जरिए नोएडा दिल्ली तक जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का लोकार्पण कर दिया। पूर्वांचल के गाजीपुर से पश्चिमी यूपी के नोएडा तक यह सफर केवल 10 घंटे में पूरा होगा। अगर में अब गाजीपुर से लखनऊ का सफर केवल 4.00 घंटे में पूरा हो सकेगा। लखनऊ से लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे 4घंटे के बाद आगरा तक का सफर 3.50 घंटे में पूरा हो जाएगा।

हादसे रोकने के पुख्ता इंतजाम

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर सुरक्षित सफर के लिए एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। हादसे का सबब बनने वाले पशुओं को रोकने के लिए दोनों तरह फेंसिंग की गई है। इसके अलावा इस अथाह पशुओं की पहुंच से दिक्कत के लिए कई टीमें एक्सप्रेस वे पर तैनात की गई हैं। पूर्वांचल की स्थिति में इस पैकेज में लाइन सर्वेट सिस्टम पूरा दो दो एम्बुलेंस तैनात कई गई हैं। हादसे रोकने के लिए ऐसा बैरियर भी लगाए गए हैं। सैनिक कल्याण बोर्ड ने यहां सुरक्षा कर्मी तैनात किए हैं। 20 पेट्रोलिंग वाहन तैनात किए गए हैं।